



P.V.G.'s
Mukhtangan English School & Jr. College,
44, Vidyanagari, Parvati, Pune - 411009.

Summative Written Test - I (2025-26)
Standard - VIII

Subject : Hindi (Entire)

Marks : 50

Date : 06 | 10 | 2025

Time : 8 .00 am 10.00 am

सूचनाएँ

- 1) सूचनाओं के अनुसार गद्य, पद्य तथा भाषा अध्ययन (व्याकरण) की आकलन कृतियों में आवश्यकता के अनुसार आकृतियों में ही उत्तर लिखना अपेक्षित है ।
- 2) सभी आकृतियों के लिए पेन / पेन्सिल का ही प्रयोग करें ।
- 3) रचना विभाग तथा व्याकरण विभाग में पूछे गए प्रश्नों के उत्तर के लिए आकृतियों की आवश्यकता नहीं है ।
- 4) शुद्ध, स्पष्ट भाषा एवं सुवाच्य लेखन अपेक्षित है ।

विभाग १ – गद्य (12 अंक)

कृति १ अ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए ।

बच्चे कभी-कभी चक्कर में डाल देने वाले प्रश्न कर बैठते हैं । अल्पज्ञ पिता बड़ा दयनीय जीव होता है । मेरी छोटी लड़की ने जब उस दिन पूछ लिया कि आदमी के नाखून क्यों बढ़ते हैं, तो मैं कुछ सोच ही नहीं सका । हर तीसरे दिन नाखून बढ़ जाते हैं । काट दीजिए, वे चुपचाप दंड स्वीकार कर लेंगे; पर निर्लज्ज अपराधी की भाँति छूटते ही फिर जैसे के तैसे हो जाते हैं । आखिर ये इतने बेहया क्यों हैं ?

कुछ लाख ही वर्षों की बात है, जब मनुष्य जंगली था; वनमानुष जैसा । उसे नाखून की जरूरत थी । उसकी जीवन रक्षा के लिए नाखून बहुत जरूरी थे । असल में वही उसके अस्त्र थे । दाँत भी थे, पर नाखून के बाद ही उनका स्थान था । धीरे-धीरे वह अपने अंग से बाहर की वस्तुओं का सहारा लेने लगा । उसने हड्डियों के भी हथियार बनाए । मनुष्य धीरे-धीरे और आगे बढ़ा । उसने धातु के हथियार बनाए । इतिहास आगे बढ़ा । कभी-कभी मैं हैरान होकर सोचता हूँ कि मनुष्य आज अपने बच्चों को नाखून न काटने पर डाँटता है । वे रोज बढ़ते हैं । मुझे ऐसा लगता है कि मनुष्य अब नाखून को नहीं चाहता । ये इसकी भयंकर पाशवी वृत्ति के जीवंत प्रतीक हैं । मनुष्य की पशुता को जितनी बार भी काट दो, वह मरना नहीं जानती

अगर आदमी अपने शरीर की, मन की और वाक की अनायास घटनेवाली वृत्तियों के विषय में विचार करे तो उसे अपनी वास्तविक प्रवृत्ति पहचानने में बहुत सहायता मिले । मनुष्य की नख बढ़ा लेने की जो सहजात वृत्ति है, वह उसके पशुत्व का प्रमाण है । उन्हें काटने की जो प्रवृत्ति है, वह उसकी मनुष्यता की निशानी है ।

१) आकृति पूर्ण कीजिए ।

(1)

१) नाखून कितने दिन बाद बढ़ जाते हैं

२) मनुष्य ने धातु से क्या बनाए

२) i) परिच्छेद में आए दो प्रत्यय युक्त शब्द ढूँढकर लिखिए ।

(1)

१)

२)

ii) निम्नलिखित शब्दों के लिए पर्यायवाची शब्द लिखिए ।

(1)

१) सहारा -

२) मनुष्य -

iii) गद्यांश में आए दो शब्द युग्म की जोड़ी ढूँढकर लिखिए ।

(1)

१)

२)

३) स्वमत - अभिव्यक्ति

‘आदि मानव का जीवन’ इस विषय पर अपने विचार २५ से ३० शब्दों में लिखिए ।

(2)

कृति १ आ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए ।

हमारे जीवन का मूलमंत्र है । सहयोग, मन, वचन, कर्म इन तीनों से होता है । जीवन का यह मूलमंत्र, मुझे भूला ना था । श्रीमती जी मुझे मेरे कर्मों की याद दिलाने लगीं और मैं उनके उपकार के बदले उनकी चिंताओं में हाथ बँटाने लगा । मैंने याद दिलाया- “पूड़ियों के साथ मिर्ची का अचार जरूर रख लेना ।”

श्रीमती जी बोली, “आचार तो रख लूँगी पर तुम भी समाचार पत्र रखना न भूल जाना, मैंने अभी पढ़ा नहीं है ।” मैं बोला : “वह तो मैं रख लूँगा ही लेकिन तुम वह गुलबंद न भूल जाना जो हम पिछले सार कश्मीर से लाए थे । जुहू पर बड़ी सर्द हवा चलती है ।”

“गुलकंद तो रख लूँगी लेकिन तुम कहीं बेदिंग सूट रखना न भूल जाना, नहीं तो नहाना धरा

रह जाएगा ।”

“और, तुम कहीं रबर कैप भूल गई तो गजब हो जाएगा ।”

“वह तो रख लूँगी लेकिन कुछ नोट पेपर, लिफाफे भी रख लेना । और देखो राइटिंग पैड भी न भूल जाना ।”

“राइटिंग पैड का क्या करोगी?”

“कई दिन से माँ की चिट्ठी आई पड़ी है । जुहू पर खाली बैठे जवाब भी दे दूँगी । यों तो वक्त भी नहीं मिलता ।”

“और जरा वे चिट्ठियाँ भी रख लेना, जिनके जवाब देने हैं, चिट्ठियाँ ही रह गई तो जवाब किसके दोगे”

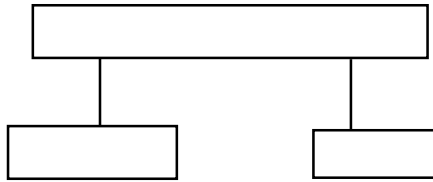
“और सुनो, बिजली के बिल और बीमा के नोटिस आ पड़े हैं उनका भी भुगतान करना है, उन्हें भी डाल लेना ।”

“उस दिन तुम धूप का चश्मा भूल गए तो सर का दर्द चढ़ गया इसलिए कहती हूँ छतरी भी रख लेना ।”

१) आकृति पूर्ण किजिए ।

हमारे जीवन का मूलमंत्र क्या है

(1)



२) i) निम्नलिखित शब्दों के वचन बदलकर लिखिए ।

(1)

१) लिफाफा -

२) चिट्ठियाँ -

ii) निम्नलिखित शब्दों के लिंग पहचानकर लिखिए ।

(1)

१) बिजली -

२) व्यक्ति -

iii) निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए ।

(1)

१) उपकार ×

२) रोशनी ×

३) स्वमत - अभिव्यक्ति

(2)

१) ‘पूर्ण विश्राम’ पाठ से मिलने वाली सीख इस विषयपर अपने विचार २५ ते ३० शब्दों में लिखिए ।

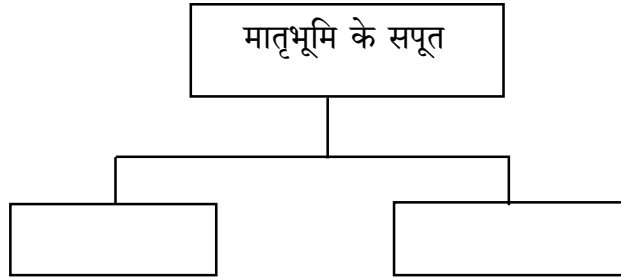
विभाग २ – पद्य (अंक 10)

कृति २ अ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए ।

हे मातृभूमि! तेरे चरणों में शीश नवाऊँ ।
मैं भक्ति भेंट अपनी, तेरी शरण में लाऊँ ॥
माथे पे तू हो चंदन, छाती पे तू हो माला;
जिह्वा पे गीत तू हो मेरा, तेरा ही नाम गाऊँ ॥
जिससे सपूत उपजें, श्री राम-कृष्ण जैसे;
उस धूल को मैं तेरी निज शीश पे चढ़ाऊँ ॥
माई! समुद्र जिसकी पद रज को नित्य धोकर;
करता प्रणाम तुझको, मैं वे चरण दबाऊँ ॥
सेवा में तेरी माता! मैं भेदभाव तजकर;
वह पुण्य नाम तेरा, प्रतिदिन सुनूँ-सुनाऊँ ॥
तेरे ही काम आऊँ, तेरा ही मंत्र गाऊँ ।
मन और देह तुम पर बलिदान मैं जाऊँ ॥

१) कृति पूर्ण कीजिए ।

(1)



२) एक शब्द में उत्तर लिखिए ।

(2)

- १) कवि की जिह्वा पर इसके गीत हो -
- २) मातृभूमि के चरण धोने वाला -
- ३) प्रतिदिन सुनाने योग्य नाम -
- ४) मातृभूमि के चरणों में इसे नवाना है -

३) जिससे सपूत उपजें, ... मैं वे चरण दबाऊँ इन पंक्तियों का सरल अर्थ २५ ते ३० शब्दों में लिखिए । (६ - ८ पंक्तियों में)

(2)

कृति २ आ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए ।

वाणी में शहद घोलना सीख लीजे,
जरा प्यार से बोलना सीख लीजे ।

चुप रहने के, यारों बड़े फायदे हैं,
जुबाँ वक्त पर खोलना सीख लीजे ।

कुछ कहने से पहले जरा सोचिए,
खयालों को खुद तौलना सीख लीजे ।

तू-तड़ाक हो या फिर हो तू-तू मैं-मैं,
अपने आपको टोकना सीख लीजे ।

पटाखे की तरह फटने से पहले,
रोशनी के रंग घोलना सीख लीजे ।

कटु वचन तो सदा बोते हैं काँटे,
मीठी बोली के गुल रोपना सीख लीजे ।

बात बेबात कोई चुभने लगे तो,
बदलकर उसे मोड़ना सीख लीजे ।

१) एक शब्द में उत्तर लिखिए । (1)

i) वाणी में इसे घोलना सीखे -

ii) वक्त पर ही इसे खोलना चाहिए -

२) निम्नलिखित शब्दों के लिंग पहचानकर लिखिए । (1)

i) रोशनी -

ii) शहद -

३) निम्नलिखित शब्दों के वचन पहचानकर लिखिए । (1)

i) फायदा -

ii) काँटे -

४) पटाखे की तरह फटने गुल रोपना सीख लीजे । इन पंक्तियों का सरल अर्थ (2)

२५ से ३० शब्दों में लिखिए । (६-८ पंक्तियों में)

विभाग ३ – भाषा अध्ययन (व्याकरण) : (अंक 10)

कृति ३ सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए ।

१) अधोरेखांकित शब्द का शब्दभेद (सव्यय) पहचानकर लिखिए । (1)

i) कोयल का स्वर मीठा है ।

२) निम्नलिखित अव्ययों में से किसी एक अव्यय का अर्थपूर्ण वाक्य में प्रयोग कीजिए । (1)

i) बहुत

ii) सामने

३) निम्नलिखित वाक्य पढ़कर प्रयुक्त कारकों में से कोई एक कारक पहचानकर उसका भेद लिखिए । (1)

i) अजय ने फोन किया ।

ii) हे ईश्वर! मुझे शक्ति दो ।

कारक चिह्न	कारक भेद

४) निम्नलिखित वाक्यों में से किसी एक वाक्य की सहायक क्रिया पहचानकर उसका मूल रूप लिखिए । (1)

i) मुझे बैंक की नौकरी करनी पड़ी ।

ii) एक टैक्सी कमरे के सामने आकर रुकी ।

सहायक क्रिया	मूल क्रिया

५) निम्नलिखित में से किसी एक क्रिया का प्रथम तथा द्वितीय प्रेरणार्थक रूप लिखिए । (1)

	क्रिया	प्रथम प्रेरणार्थक रूप	द्वितीय प्रेरणार्थक रूप
i)	गिरना		
ii)	रखना		

६) निम्नलिखित मुहावरों में से किसी एक मुहावरे का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए । (1)

	मुहावरा	अर्थ	वाक्य
i)	हाथ बँटाना	-----	-----
ii)	आँखों से ओझल होना	-----	-----

अथवा

अधोरेखांकित वाक्यांश के लिए कोष्ठक में दिए मुहावरों में से उचित मुहावरे का चयन करके वाक्य फिर से लिखिए ।

(पैर पकड़ना, खुशी का ठिकाना न रहना)

i) परीक्षा में प्रथम क्रमांक आने पर सीता बहुत खुश हुई ।

७) निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध करके वाक्य फिरसे लिखिए । (2)

i) यह मेरा पाठशाला है ।

ii) तुम्हारे माँ बहुत अच्छा है ।

८) निम्नलिखित विरामचिह्नों के नाम लिखिए । (2)

चिह्न		नाम
i) '—'	=	
ii) ;	=	

विभाग ४ – रचना विभाग (उपयोजित लेखन) (18 अंक)

सूचना : आवश्यकतानुसार परिच्छेद में लेखन अपेक्षित है ।

कृति ४ पत्रलेखन

१) निम्नलिखित जानकारी के आधार पर पत्रलेखन कीजिए । (5)

अनय / अनया पाटील गीतांजली, गुलमोहर रोड, अहमदनगर से अपने मित्र / सहेली अमित / अमिता वर्मा स्वरांजली, कावेरी कॉलनी, मुंबई को जन्मदिन के कार्यक्रम में शामिल होने हेतु पत्र लिखता / लिखती है ।

२) गद्य आकलन – प्रश्न निर्मिती : । (4)

निम्नलिखित गद्यांश पढ़कर ऐसे चार प्रश्न तैयार कीजिए जिनके उत्तर गद्यांश में एक-एक वाक्य में हो ।

(केवल प्रश्न ही बनाइए)

एक बार भगवान बुद्ध का एक प्रचारक घूम रहा था । उसे एक भिखारी मिला । वह प्रचारक उसे धर्म का उपदेश देने लगा । उस भिखारी ने उसकी तरफ ध्यान नहीं दिया । उसमें उसका मन ही नहीं लगता था । प्रचारक नाराज हुआ । बुद्ध के पास जाकर बोला, 'वहाँ एक भिखारी बैठा है, मैं उसे इतने अच्छे-अच्छे सिखावन दे रहा था, तो भी वह सुनता ही नहीं' । 'बुद्ध ने कहा, 'उसे मेरे

पास लाओ' यह प्रचारक उसे बुद्ध के पास ले गया । भगवान बुद्ध ने उसकी दशा देखी । उन्होंने ताड़ लिया कि भिखारी तीन-चार दिनों से भूखा है । उन्होंने उसे पट भरकर खिलाया और कहा, 'अब जाओ।' प्रचारक ने कहा, आपने उसे खिला तो दिया, लेकिन उपदेश कुछ भी नहीं दिया ।' भगवान बुद्ध ने कहा, "आज उसके लिए अन्न ही उपदेश था । आज उसे अन्न की सबसे ज्यादा जरूरत थी । वह उसे पहले देना चाहिए । अगर वह जिएगा तो कल सुनेगा"

- ३) निम्नलिखित मुद्दों के आधार पर ७० से ८० शब्दों में कहानी लिखकर उसे उचित शीर्षक दीजिए।
तथा सीख भी लिखिए । (4)

भूखा कुत्ता -- रोटी के लिए दर-दर भटकना -- कूड़े में रोटी पाना -- तालाब के पास बैठकर रोटी खाने का इरादा -- तालाब में खुद की परछाई देखना -- भौकना -- रोटी का तालाब में गिर जाना -- पछतावा -- सीख - शीर्षक ।

- ४) निबंध लेखन (5)

निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग ८०-१०० शब्दों में निबंध लिखिए ।

- १) मेरा प्रिय त्योहार
- २) मेरा प्रिय खेल
- ३) वर्षा ऋतु

